

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : जून-2009

प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. 6 जून 2009 को 11.30 रात्रि को हैदराबाद में जन्मे जातक के लिए लग्न व अन्य ग्रहों के भोगांशों की गणना करें।
2. रिक्त स्थान भरें :-
 - i यदि जन्मांग में चन्द्र का भोगांश 250:50 अंश है तो चन्द्र का नक्षत्र पद ----- है।
 - ii 360 औसत सौर दिवस वाले वर्ष को ----- कहते हैं।
 - iii यदि किसी जातक का जन्म इलाहाबाद में 10.30 प्रातः (भा.मा.स.) पर हुआ तो स्थानीय समय ----- होगा।
 - iv यदि बुध ग्रह किसी नवांश में उच्चतम बिन्दु पर है तो यह जन्मांग में ----- राशि में होगा।
 - v यदि चन्द्रमा मिथुन राशि में राहु के नक्षत्र में है तो वह ----- नक्षत्र में होगा।
 - vi ज्योतिष में जो ग्रह भचक्र की परिक्रमा न्यूनतम समय में करता है वह ग्रह ----- है।
 - vii चर भचक्र स्थिर भचक्र से प्रतिवर्ष ----- की दर से पीछे होता है।
 - viii हिन्दु मान्यता अनुसार किसी स्थान का सूर्योदय समय ----- कहलाता है।
 - ix 1 जनवरी 2009 को अयनांश का मान ----- था।
 - x क्रान्ति वृत्त को चन्द्रमा की परिक्रमा का पथ जहाँ काटता है, उन बिन्दुओं को ----- कहते हैं।
3. निम्न पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-
 - i मानक समय व स्थानीय समय
 - ii स्थिर भचक्र व चर भचक्र
 - iii जन्म नक्षत्र व जन्म राशि
4. निम्न जन्मांग के लिए सप्ताश व नवांश वर्ग कुण्डली बनाए। वर्गोत्तम ग्रहों के नाम लिखें।
 लग्न वृश्चिक 17:19, सूर्य कुम्भ 25:41, चन्द्र धनु 8:12
 मंगल मीन 29:04, बुध (व) मीन 9:45, गुरु मेष 23:55
 शुक्र मेष 4:51, शनि (व) तुला 3:11, राहु मकर 18:32
 (जन्म 10.3.1953, 00:10, आजमगढ़, उ०प्र०)

5. प्रश्न 4 के लिए शेष विशोत्तरी दशा की गणना करें व महादशा क्रम दें।

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. लग्न - कन्या 24:48, सूर्य - मिथुन 13:16, चन्द्र - मीन 10:33,

मंगल - मिथुन 13:32, बुध - मिथुन 27:40, गुरु - सिंह 20:06

शुक्र - सिंह 26:26, राहु - तुला 1:26

उपरोक्त जन्माग के आधार पर निम्न का उत्तर दें :-

- i किस ग्रह के कारण केमद्रुम नहीं बन रहा है?
- ii चन्द्रमा अपने मूल त्रिकोण से कितने घर दूर है?
- iii कौन सा पंच महापुरुष योग बन रहा है?
- iv भूमि तत्त्व राशियों में कौन से ग्रह हैं?
- v सूर्य व शनि में पंचधा मैत्री स्थिति क्या है?
- vi कौन से ग्रह स्वग्रही व उच्च के हैं?
- vii लग्न किस नक्षत्र पद में है?
- viii कालत्र कारक कहाँ स्थित है?
- ix मुख्य मारक ग्रह कौन से है?
- x उपचय स्थान में कौन से ग्रह हैं?

7. पंच महापुरुष योगों की उदाहरण सहित व्याख्या करें।

8. किन्हीं चार के बारे में लिखें :-

- i मंगल
- ii सप्तम स्थान
- iii वृश्चिक राशि
- iv चन्द्रमा
- v पंचम स्थान

9. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त में लिखें :-

- i सभी लग्नों के लिए बाधक स्थान व बाधक अधिपति
- ii केन्द्राधिपत्य दोष
- iii फलित में ग्रहों की अवस्था का उपयोग
- iv बालारिष्ट

10. कारण सहित, वृषभ व मिथुन लग्न के लिए शुभ व अशुभ ग्रह बताएं।